आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 23.02.2025 **समय : 1905**

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा– भारत तेजी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहा है।**
- **प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में द्वीप समूह में डियर वुमन के नाम से जानी जाने वाली अनुराधा राव का उल्लेख किया।**
- **कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी और कृषि विभाग के सहयोग से डिगलीपुर में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।**
- **भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने युवा स्नातकों के लिए पीएम इंटर्नशिप कार्यक्रम की शुरूआत की।**

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारत तेजी से अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। आकाशवाणी पर आज मन की बात कार्यक्रम में श्री मोदी ने कहा कि भारत के लोग नई प्रौद्योगिकी अपनाने में किसी से पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में दुनिया भारत की प्रगति की सराहना कर रही है। प्रधानमंत्री ने भारत के जीवंत वनस्पति और जीव – जंतुओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने वन्य जीवन के संरक्षण से जुड़े कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए देश के जनजातीय लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री मोदी ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में डियर वुमन के नाम से जानी जाने वाली अनुराधा राव का उल्लेख किया। अनुराधा राव ने पिछले तीन दशकों से हिरणों और मोरों की रक्षा करने को उन्होंने अपना मिशन बना रखा है।

<><><><><><><><>

आकाशवाणी समाचार के साथ खास बातचीत में द्वीपसमूह की डियर वूमन के नाम से प्रसिद्ध अनुराधा राव ने मन की बात कार्यक्रम में उनका ज़िक्र किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वीप में वन्य जीव संरक्षण के कार्य को करने वाली चौंथीं पीढ़ी है।

<><><><><><><><>

इस महीने की अट्ठाईस तारीख को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री ने श्रोताओं को सुझाव दिया कि वे अपना एक दिन वैज्ञानिक के रूप में बिताएं, जिसमें वे किसी अनुसंधान प्रयोगशाला, प्लैनेटेरियम या फिर अंतरिक्ष केंद्र जैसी जगह पर जा सकते हैं।

<><><><><><><><>

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी और कृषि विभाग के सहयोग से डिगलीपुर के निश्चिंतपुर गांव में 'खाद, जैव उर्वरक और जैव कीटनाशकों सहित विभिन्न जैविक आदानों की तैयारी और उपयोग' पर हाल ही में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय किसानों के बीच जैविक खेती के तकनीकों को बढ़ावा देना और उन्हें टिकाउ कृषि पद्धति के बारे में जानकारी देना था। इस अवसर पर डिगलीपुर की सहायक कृषि निदेशक आरती सिंह ने प्राकृतिक रूप से फसलों को बढ़ाने के लिए वर्मी कम्पोस्ट, जैव उर्वरक और जैव कीटनाशक जैसे जैविक खाद के उपयोग के महत्व पर ज़ोर दिया। प्रभारी कृषि अधिकारी सीना पिल्लई ने वर्मी कम्पोस्ट प्रक्रिया के बारे में बताया और इस संबंध में विभाग की ओर से बीस प्रतिशत सब्सिडी पर उपलब्ध कराए गए वर्मीबेड के उपयोग का प्रदर्शन किया। इस बीच कृषि सहायक कमरून निशा ने विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए जैव उर्वरक और कीटनाशको के महत्व और प्रयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। किसानों को श्री विजयपुरम स्थित वाटिका आउटलेट में पंजीकरण कराने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया, जिससे वे अपने मूल्यवर्धित जैविक उत्पादों की बिक्री कर सके।

<><><><><><><><>

जंगलीघाट के माध्यमिक विद्यालय में कल समग्र शिक्षा के प्रमुख कार्यक्रम के अंतर्गत 'निपुण चौपाल' का आयोजन किया गया, जिसमें बालवाटिका के विद्यार्थियों के साथ–साथ शिक्षक और अभिभावक भी शामिल हुए। निपुन भारत मिशन का लक्ष्य 2026–27 तक बालवाटिका स्तर के छात्रों द्वारा भाषा और अंकगणित में निपुणता हासिल करना है। इस अवसर पर समग्र शिक्षा के राज्य कार्यक्रम अधिकारी एस. सुरेश कुमार मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अपने संबोधन में इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए छोटे बच्चों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह मिशन द्वीपों के सभी प्राथमिक विद्यालयों में 2026–27 तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने बच्चों और अभिभावकों को बच्चों के समग्र विकास के लिए संस्थान की सभी शैक्षणिक और सह–पाठयक्रम गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे पहले स्कूल की उप

प्रधानाचार्य अज़ीज़ फ़ातमा ने सभी का स्वागत करते हुए निपुण चौपाल के महत्व पर प्रकाश डाला। बच्चों और अभिभावकों ने शिक्षकों और अभिभावकों की मदद से तैयार किए गए अपने गतिविधि मॉडल प्रदर्शित किए।

<><><><><><><><>

भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने युवा स्नातकों को इंटर्नशिप अवसरों के माध्यम से कौशल विकास और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए पी एम इंटर्नशिप कार्यक्रम की शुरूआत की है। इस पहल का उद्देश्य इंटर्न और कंपनी के बीच संबंध स्थापित करना है। जिसमें कंपनी इंटर्न को प्रशिक्षण, अनुभव और कौशल प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। जिन उम्मीदवारों ने आई टी आई सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या स्नातक डिग्री हासिल की है, वे इस कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। योग्य उम्मीदवारों से आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से पी एम इंटर्नशिप कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराने को कहा गया है।

<><><><><><><><>

श्री विजयपुरम स्थित चिन्मय मिशन के श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर, में छब्बीस फरवरी को सुबह छह बजे से मध्य रात्रि बारह बजे तक महाशिव रात्रि मनाई जाएगी। दिन की शुरुआत सुबह छह बजे श्री गणपति होमम से होगी, उसके बाद सात बजे महा–रुद्राभिषेक, आठ बजे से शाम पांच बजे तक पूजा–अर्चना के कार्यक्रम जारी रहेंगे। शाम साढ़े पांच बजे से भगवान शिव के एक हजार नामों की जाप की जाएगी। रात आठ बजे से मध्य रात्रि बारह बजे तक सत्संग, भजन आदि का आयोजन होगा।

<><><><><><><><>